घोटालेबाजों का 'सुरक्षा कवच' बने ऑडिटर!

पिपलानी और नहल्दा कांड ने खोली 'टेबल ऑडिट' की पोल

कागजों में 'सब चंगा', हकीकत में करोड़ों का फंदा; हर साल ऑडिट हुआ, 'ए' ग्रेड मिला और अचानक निकल आया करोड़ों का गबन

राजू पटेल, नवभारत न्यूज

खंडवा। सहकारिता विभाग में सामने आ रहे करोड़ों के घोटाले सिर्फ समिति प्रबंधकों या बैंक कर्मचारियों की कारस्तानी नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे उस निगरानी तंत्र की भी मौन स्वीकृति है, जिसे 'ऑडिट' कहा जाता है। पिपलानी समिति में 18 करोड़ और अब नहल्दा-रामेश्वर समिति में 1.10 करोड़ का गबन यह बताने के लिए काफी है कि जिले में सहकारिता का ऑडिट सिस्टम या तो पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है या फिर वह भ्रष्टाचार का 'मूक गवाह' बना हुआ है।

बड़ा सवाल यह है कि जिन समितियों में सालों से फर्जीवाड़ा चल रहा था, वहां हर साल पहुंचने वाले ऑडिटर्स को यह गड़बड़ियां क्यों नजर नहीं आईं? क्या यह महज संयोग है या फिर 'सुविधा शुल्क' के बदले दी गई 'क्लीन चिट'?

'टेबल ऑडिट' का कल्चर: फील्ड पर जाने की जहमत नहीं ; नियमों के मुताबिक हर सहकारी संस्था का वार्षिक अंकेक्षण (ऑडिट) अनिवार्य है। ऑडिटर की जिम्मेदारी होती है कि वह एक-एक वाउचर, ऋण वितरण पंजिका और बैंक स्टेटमेंट का भौतिक सत्यापन करे। लेकिन जिले में 'टेबल ऑडिट' का कल्चर हावी हो चुका है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि कई ऑडिटर समितियों के मुख्यालय या गांवों तक जाने की जहमत ही नहीं उठाते। समिति प्रबंधक द्वारा परोसे गए दस्तावेजों और 'खातिरदारी' के बाद बंद कमरे में ही ऑडिट रिपोर्ट तैयार कर दी जाती है। जानकारों का मानना है कि यदि ऑडिटर ने फिजिकल वेरिफिकेशन किया होता या रेंडमली 10 किसानों से भी बात की होती, तो यह फर्जीवाड़ा बरसों पहले पकड़ में आ जाता और किसानों के करोड़ों रुपये डूबने से बच जाते।

घोटालेबाज समितियों को बांट दी 'ए' और 'बी' ग्रेड : हैरानी की बात यह है कि जिन सोसायटियों में करोड़ों का घपला हो रहा था, उन्हें ऑडिट रिपोर्ट में 'ए' या 'बी' ग्रेड देकर उनकी साख बचाई जा रही थी। ऑडिटर अपनी रिपोर्ट में 'सब ओके' लिखते रहे और अंदर ही अंदर संस्था दीमक की तरह खोखली होती रही। जब गबन का भंडाफोड़ होता है, तो सारी गाज समिति प्रबंधक पर गिरा दी जाती है, लेकिन उस ऑडिटर पर कोई कार्रवाई नहीं होती जिसने अपने हस्ताक्षर से उस फर्जीवाड़े को वैधानिकता प्रदान की।

ऑडिटर्स पर एफआईआर तो दूर, विभागीय जांच भी नहीं : सहकारिता अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान है कि यदि अंकेक्षण के दौरान गबन पकड़ में नहीं आता और बाद में उजागर होता है, तो संबंधित ऑडिटर की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। लेकिन खंडवा में आज तक किसी ऑडिटर पर एफआईआर तो दूर, विभागीय जांच तक नहीं बैठाई गई। नहल्दा-रामेश्वर मामले में 2025 तक सब कुछ ठीक बताया गया और अचानक जून में गबन सामने आ गया। यह साबित करता है कि ऑडिटर और प्रबंधकों के बीच एक अघोषित गठजोड़ काम कर रहा है। मांग उठ रही है कि इन सोसायटियों के पिछले 5 साल के ऑडिटर्स के खिलाफ भी जांच होनी चाहिए कि आखिर उन्होंने अपनी आंखों पर पट्टी क्यों बांध रखी थी?

कछुआ चाल से जांच, सिस्टम पर सवाल : नहल्दा में वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद भी अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हो पाई है। वहीं, पिपलानी सोसाइटी में करोड़ों रूपये के घोटाले की जांच कछुआ चाल से चल रही है। यह लेटलतीफी सिस्टम की मंशा पर कई सवालिया निशान खड़े कर रही है।

क्या होता है 'टेबल ऑडिट' का खेल?

सहकारिता के जानकारों के मुताबिक, 'टेबल ऑडिट' भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा जरिया है।

- **प्रक्रिया:** इसमें ऑडिटर फील्ड में जाकर वेरिफिकेशन करने के बजाय, समिति प्रबंधक के ऑफिस में बैठकर चाय-नाश्ते के साथ ऑडिट निपटा देते हैं।
- **खेल:** प्रबंधक जो बैलेंस शीट देता है, उसी पर आंख मूंदकर मुहर लगा दी जाती है।
- **नजराना:** बदले में एक तय 'कमीशन' ऑडिटर को मिलता है। यही कारण है कि कागज पर मुनाफे में दिख रही समितियां असलियत में कंगाल मिलती हैं।

सवाल कड़वा है, पर जरूरी है?

अगर चौकीदार ही चोर से मिल जाए, तो घर कैसे बचेगा? खंडवा में करोड़ों के घोटाले हो गए, लेकिन हर साल जांच करने वाले ऑडिटर्स को कुछ नहीं दिखा। क्या ऑडिट रिपोर्ट 'मैनेज' की जाती है? क्यों किसी ऑडिटर पर आज तक FIR नहीं हुई?

इनका कहना है...

पिपलानी, नहाल्दा में हुई वित्तीय अनियमितताओं का मामला मेरे संज्ञान में है। करवाई में देरी किस कारण हो रही है जांच का विषय है। जांच पश्चात स्थिति स्पष्ट कर पाऊंगा।

आरके मकवाना
संयुक्त पंजीयक
सहकारी संस्थाएं, इंदौर

एक नजर में

जिले में 55 स्वास्थ्य शिविर होंगे आयोजित

नवभारत न्यूज

खण्डवा। प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों को पात्रता अनुसार शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से संकल्प से समाधान अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में कुल 55 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को शिविरों की तिथि एवं स्थान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न विकासखंडों और ग्रामों में फरवरी से मार्च तक चरणबद्ध तरीके से स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इनमें अमलपुरा, कालमुखी, नागचून, सिहाड़ा, गंभीर उबारी, भगवानपुरा, भराड़ी, सड़ियापानी, डुल्हार, देशगांव, कोठी, मोहना, सिंगोट, बोरगांव बुजुर्ग सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

नगरीय क्षेत्रों में भी विशेष शिविर आयोजित होंगे, जिनमें मूंदी, पंधाना, छनेरा, ओंकारेश्वर और पुनासा के साथ खण्डवा शहर के विभिन्न वार्डों में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य जांच, परामर्श और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से शिविरों में पहुंचकर लाभ लेने की अपील की है।

संकल्प से समाधान शिविर में 513 मरीजों का उपचार

नवभारत न्यूज

खण्डवा। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत नागरिकों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से सोमवार को ग्राम जावर और जसवाड़ी में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विभिन्न विभागों ने भाग लेकर हितग्राहियों की समस्याओं का समाधान किया।

ग्राम जावर में आयोजित शिविर में कुल 430 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर निराकरण किया गया। वहीं ग्राम जसवाड़ी में राजस्व विभाग द्वारा चार किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए तथा तीन किसानों को राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों में मरीजों की उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन एवं सिकलसेल की जांच कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। टीबी के संभावित मरीजों के लिए स्पुटम सैंपल भी लिए गए तथा पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जावर में 251 और जसवाड़ी में 262 मरीजों सहित कुल 513 मरीजों का उपचार किया गया। शिविर में चिकित्सकों व स्वास्थ्य अमले ने सक्रिय रूप से सेवाएं दीं।

नेशनल फेडरेशन कप में खंडवा के नीरज पटेल ने जीता गोल्ड, कुश्ती में जिले का नाम रोशन

नवभारत न्यूज

खंडवा। गाजियाबाद में आयोजित सीनियर नेशनल फेडरेशन कप कुश्ती प्रतियोगिता में खंडवा जिले के बोरगांव खुर्द निवासी 18 वर्षीय पहलवान नीरज विट्ठल पटेल ने 55 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर जिला का नाम रोशन किया है। छोटे किसान परिवार से आने वाले नीरज ने कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि खंडवा अब कुश्ती के क्षेत्र में प्रदेश का हब बन चुका है, जहां से खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। नीरज अब तक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दो गोल्ड सहित कुल आठ मेडल तथा खेलो एमपी और प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में 13 पदक जीत चुके हैं। जूनियर नेशनल ग्रीको-रोमन प्रतियोगिता में भी उन्होंने सफलता हासिल की है। नीरज की उपलब्धि के पीछे बोरगांव खुर्द स्थित व्यायामशाला का महत्वपूर्ण योगदान है, जहां अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समाजसेवियों ने जिला प्रशासन से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और सरकारी सहयोग बढ़ाने की मांग की है।

किन्नर सितारा गुरु ने अपनाया सनातन धर्म वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बनीं सीता

नवभारत न्यूज

खंडवा। शहर में सोमवार को एक अनूठा आयोजन देखने को मिला। महादेवगढ़ मंदिर में मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वालीं किन्नर गुरु वाहिद अहमद उर्फ सितारा गुरु ने सनातन धर्म अपना लिया है। वैदिक रिवाज और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई इस घर वापसी की प्रक्रिया के बाद उन्हें नया नाम सीता दिया गया है।

यह पूरा अनुष्ठान किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर सखी सौम्या देवी (रायपुर) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। महादेवगढ़ मंदिर परिसर में विद्वान पंडितों ने सबसे पहले सितारा गुरु का गंगाजल और गोमूत्र से शुद्धिकरण स्नान कराया। इसके पश्चात विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया और उन्हें जनेऊ व कंठी धारण करवाई गई। महामंडलेश्वर सौम्या देवी ने उनके कान में गुरु मंत्र फूंक कर उन्हें सनातन धर्म में दीक्षित किया और उनका नामकरण सीता के रूप में किया।

भोलेनाथ की शरण में आकर मिली शांति : सनातन धर्म अपनाने के बाद नव-दीक्षित सीता भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा मैं आज भोलेनाथ के दरबार में आई हूं। मेरे पूर्वज भी सनातनी थे, और आज मैंने स्वेच्छा से अपने मूल धर्म में वापसी की है। मुझे यहां आकर बहुत शांति और अपनापन महसूस हो रहा है।

इस मौके पर मंदिर परिसर में उत्सव जैसा माहौल था। अपने गुरु के सनातन धर्म अपनाने की खुशी में बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोग भी वहां मौजूद थे। जैसे ही अनुष्ठान पूरा हुआ, समाज के लोगों ने ढोल-ताशों की थाप पर नृत्य कर और जयकारे लगाकर सीता का स्वागत किया।

महादेवगढ़ मंदिर के संरक्षक अशोक पालीवाल ने बताया कि कुछ दिन पहले किन्नर समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर इस इच्छा से अवगत कराया था। उन्होंने कहा, जब उन्होंने घर वापसी की इच्छा जताई, तो हमने मंदिर में वैदिक परंपरा के अनुसार भव्य आयोजन की तैयारी की। यह हमारे लिए गौरव का विषय है कि वे सनातन परंपरा से जुड़ी हैं।

इस दौरान मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' और 'जय श्री राम' के उद्घोष किया गया। सीता ने अंत में भगवान शिव की महाआरती में भाग लिया और उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद दिया।

जिला अस्पताल लंबी कतारों से मिलेगी राहत, ई-रजिस्ट्रेशन सुविधा शुरू

नवभारत न्यूज

खण्डवा। जिला चिकित्सालय खण्डवा में मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में ई-रजिस्ट्रेशन सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब अस्पताल आने वाले मरीजों को लंबी कतारों में लगने से काफी हद तक मुक्ति मिलेगी और समय की बचत भी होगी।

सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल ने जानकारी देते हुए बताया कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। इसके तहत मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही अपने मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि ई-रजिस्ट्रेशन के लिए सबसे पहले मरीजों को अपनी आभा आईडी बनवानी होगी, जो आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत एक यूनिक हेल्थ आईडी के रूप में कार्य करती है।

डॉ. कौशल के अनुसार, नागरिक अपने स्मार्टफोन में आभा एप डाउनलोड कर आसानी से अपनी आईडी बना सकते हैं। इसके बाद एप में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर प्रोफाइल शेयर करने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यह प्रक्रिया पूर्ण होने पर मरीज जिला अस्पताल के ओपीडी पंजीयन काउंटर से सीधे अपना पर्चा प्राप्त कर सकते हैं। इससे पंजीयन की पारंपरिक प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होगा और मरीजों को अनावश्यक भीड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अस्पताल प्रशासन का मानना है कि ई-रजिस्ट्रेशन सुविधा से मरीजों की संख्या को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही, डिजिटल रिकॉर्ड बनने से मरीजों का मेडिकल डेटा सुरक्षित रहेगा और भविष्य में उपचार प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी।

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि अस्पताल में भीड़ कम हो और सभी मरीजों को समय पर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। नई व्यवस्था से जिला चिकित्सालय खण्डवा में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

महाशिवरात्रि के बाद घाटों पर चला स्वच्छता महाअभियान

नवभारत न्यूज ,ओंकारेश्वर । महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालुओं के आगमन के बाद तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर के घाटों पर फैले कचरे को साफ करने के लिए नगर परिषद ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। सफाई कर्मियों की कमी को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोनिका पारधी स्वयं नगर परिषद की टीम के साथ मैदान में उतरीं। महाशिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा पूजन सामग्री, कपड़े, नारियल और प्लास्टिक आदि बड़ी मात्रा में घाटों पर छोड़ दिए जाने से कई स्थानों पर गंदगी फैल गई थी। इसे गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद द्वारा तत्काल सफाई अभियान शुरू किया गया। सीएमओ मोनिका पारधी ने स्वच्छता कर्मियों, लिपिकों और नगर परिषद की ऑफिस टीम के साथ मिलकर घाटों पर लगातार तीन से चार घंटे तक सफाई कार्य किया। इस दौरान विभिन्न घाटों से बड़ी मात्रा में कचरा एकत्र कर हटाया गया और घाटों, सीढ़ियों व आसपास के क्षेत्रों को साफ किया गया। अभियान के दौरान सीएमओ ने स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मां नर्मदा हमारी आस्था का केंद्र हैं और उन्हें स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने व्यापारियों से अपने आसपास नियमित सफाई बनाए रखने और स्वच्छता अभियान में सहभागिता करने का आग्रह किया। नगर परिषद की इस पहल को शहरवासियों ने सराहते हुए इसे तीर्थ नगरी को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

सिंचाई के नाम पर किसानों से उगाही, पैसा देकर भी नहीं मिला पानी

खेतों में दम तोड़ रही खड़ी फसलें

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के ग्रामीण अंचलों में अन्नदाताओं की मजबूरी का फायदा उठाकर उनसे अवैध वसूली करने और फिर उन्हें भगवान भरोसे छोड़ देने का एक गंभीर मामला सामने आया है। जिन गांवों तक उद्वहन सिंचाई की सुविधाएं नहीं पहुंची हैं, वहां सूक्ता डेम की नहर और नाले ही किसानों का आखिरी सहारा हैं। लेकिन अब प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे पानी के खेल ने किसानों को दोहरी मार दी है।

प्रति किसान 1000 रुपये की वसूली, फिर भी धोखा : ग्राम सिलोदा, सैयदपुर, खेगावड़ा के किसानों से सूक्ता डेम से नाले में पानी छोड़ने का झांसा देकर प्रति किसान 1000 रुपये की राशि जमा करवाई गई। किसानों ने अपनी गाढ़ी कमाई से यह पैसा इसलिए दिया ताकि उनकी साल भर की मेहनत बच सके। विडंबना यह है कि पैसे देने के आधा महीना बीत जाने के बाद भी अब तक न तो नदी-नालों में पानी की एक बूंद पहुंची है और न ही जिम्मेदार कोई जवाब दे रहे हैं।

शबाब पर है फसल, 'अंतिम पानी' की सख्त दरकार : खेतों में खड़ी गेहूं और चने की फसल इस समय अपने पूरे शबाब पर है। फसल पकने की कगार पर है और दाना भरने की इस अवस्था में उसे केवल एक अंतिम पानी की संजीवनी चाहिए। यदि अभी पानी नहीं मिला, तो खड़ी फसल बर्बाद हो जाएगी। इसी आस में भोले-भाले किसानों ने पैसे दिए थे, लेकिन पानी न मिलने से अब सोना उगलने वाली फसलें खेतों में ही दम तोड़ देगी। किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरा गई हैं।

बड़गांव गुर्जर, सेगवाल और बघमार में भी यही हाल : वसूली और झूठे वादों का यह खेल केवल कुछ गांवों तक सीमित नहीं है। पड़ोसी गांव बड़गांव गुर्जर, सेगवाल और बघमार में भी कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। वहां भी अधिकांश किसान नहर पर निर्भर है। उन्हें भी पानी का सपना दिखाकर पैसे वसूले गए, लेकिन हकीकत में खेत सूखे पड़े हैं और नहर वीरान है।

किसानों का सवाल- कहां गया हमारा पैसा? किसानों ने आक्रोश जताते हुए कहा है कि एक तरफ उनकी जेब खाली हो गई और दूसरी तरफ आंखों के सामने फसल बर्बाद हो रही है। यह सिस्टम की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। पीड़ित किसानों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सूक्ता डेम से पानी छोड़ने की गुहार लगाई है। इस संबंध में जल संसाधन विभाग से पक्ष जानना चाहा लेकिन उन्होंने संवेदनशील मामले पर फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा

लायन्स भोजन सेवा केंद्र में मरीजों व परिजनों को राहत

नवभारत न्यूज

खण्डवा। लायन्स क्लब द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित लायन्स भोजन सेवा केंद्र जरूरतमंद मरीजों, उनके परिजनों और आम नागरिकों के लिए राहत का केंद्र बनकर उभरा है। इस सेवा से जिले के लोग लाभान्वित हो रहे हैं और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में इसकी विशेष पहचान स्थापित हुई है। सोमवार को महापौर अमृता यादव एवं अमर यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ भोजन सेवा केंद्र का निरीक्षण कर मरीजों, परिजनों व जरूरतमंदों को भोजन परोसा। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि लायन्स क्लब द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता, नेत्रदान, देहदान और विभिन्न सामाजिक सेवाओं के माध्यम से समाज को निरंतर लाभ पहुंचाया जा रहा है। भोजन सेवा केंद्र में आकर सेवा करना आत्मिक संतोष प्रदान करता है।

ममलेश्वर मंदिर का होगा कायाकल्प

गर्भगृह में लगेगा एसी, भक्तों को मिलेंगी हाईटेक सुविधाएं

नवभारत न्यूज

खंडवा। ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर की व्यवस्थाओं को विश्वस्तरीय बनाने की कवायद शुरू कर दी है। इंदौर संभाग के कमिश्नर डॉ. सुदाम खाड़े ने शनिवार को ओंकारेश्वर स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक और स्थलीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधाओं को केंद्र में रखते हुए मंदिर प्रबंधन को कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

सुगम दर्शन और छाया की व्यवस्था : संभागायुक्त ने मंदिर परिसर में लगी पुरानी लोहे की बेरिकेडिंग को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। इसके स्थान पर अब श्रद्धालुओं की कतारबद्धता और सुरक्षा के लिए स्टेनलेस स्टील की जिग-जैग रेलिंग लगाई जाएगी। गर्मी और उमस से राहत देने के लिए कतारों में मिस्ट फैन और धूप-बारिश से बचाव के लिए पूरे मार्ग पर फाइबर कैनोपी व खुले स्थान पर स्थाई शेड लगवाने का निर्णय लिया गया है।

गर्भगृह का आधुनिकीकरण : मंदिर की आंतरिक व्यवस्था को सुधारते हुए कमिश्नर डॉ. खाड़े ने ममलेश्वर मंदिर के गर्भगृह में एयर कंडीशनर लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, मंदिर की पुरानी इलेक्ट्रिक वायरिंग को दुरुस्त करने और बिजली जाने की स्थिति में निर्बाध आपूर्ति के लिए उच्च क्षमता वाले जनरेटर का इंतजाम करने को कहा गया है। वृहदकालेश्वर मंदिर की मूर्तियों को सुरक्षित रखने के लिए अलग से टीन शेड का निर्माण भी कराया जाएगा।

प्रसादम और अन्य जनसुविधाएं : भक्तों की सुविधा के लिए नार्मदीय धर्मशाला के बंद पड़े शौचालयों को बिजली, पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसर में अब लड्डू प्रसाद काउंटर और उद्घोषणा केंद्र भी संचालित होंगे। भीड़ के समय सभी को दर्शन सुलभ हो सकें, इसके लिए परिसर में एक बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी।